

1. निम्नलिखित कविता पढ़िए और उसका अर्थ समझिए ।

1. निम्नलिखित कविता पढ़िए और उसका अर्थ समझिए ।

कविता

1. निम्नलिखित कविता पढ़िए और उसका अर्थ समझिए ।

1. निम्नलिखित कविता पढ़िए और उसका अर्थ समझिए ।

(21=6x4)

1. निम्नलिखित कविता पढ़िए और उसका अर्थ समझिए ।

1. निम्नलिखित कविता पढ़िए और उसका अर्थ समझिए ।

1. निम्नलिखित कविता पढ़िए और उसका अर्थ समझिए ।

1. निम्नलिखित कविता पढ़िए और उसका अर्थ समझिए ।

1. निम्नलिखित कविता पढ़िए और उसका अर्थ समझिए ।

1. निम्नलिखित कविता पढ़िए और उसका अर्थ समझिए ।

1. निम्नलिखित कविता पढ़िए और उसका अर्थ समझिए ।

1. निम्नलिखित कविता पढ़िए और उसका अर्थ समझिए ।



Reg. No. : .....

Name : .....

**IV Semester M.A./M.Sc./M.Com. Degree (Reg./Sup./Imp.)**

**Examination, March 2015**

**HINDI LANGUAGE AND LITERATURE**

**Paper – XIII : Modern Hindi Poetry**

Time : 3 Hours

Max. Marks : 80

I. a) किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए । (2×12=24)

- 1) कुरुमुत्ता कविता का मूल स्वर क्या है ? स्पष्ट कीजिए ।
- 2) कामायनी का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।
- 3) विरहिणी ऊर्मिला पाठक को करुणासिक्त बना देती है - अपना मत व्यक्त कीजिए ।
- 4) ब्रह्मराक्षस की ट्रेजिडी आज के बुद्धिजीवी की ट्रेजिडी है - समर्थन कीजिए ।

b) किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए । (1×12=12)

- 5) कुरुक्षेत्र : एक शंकाकुल हृदय की अंतर्घात है । स्पष्ट कीजिए ।
- 6) पन्त की काव्य यात्रा का परिचय दीजिए ।

II. किन्हीं चार अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए । (4×7=28)

- 1) दूर दूर तक विस्तृत था हिम  
स्तब्ध उसी के हृदय समान  
नीरवता-सी शिला चरण से  
टकराता फिरता पवमान ।

अथवा

2) नारी ! तुम केवल श्रद्धा हो

विश्वास रजत-नग पगतल में

पीयूष स्रोत-सी बहा करो

जीवन के सुन्दर समतल में ।

3) धिक् जीवन को जो पाता ही आया विरोध,

धिक् साधन, जिसके लिए सदा ही किया शोध !

अथवा

4) जीर्ण बाहु, है शीर्ण शरीर

तुझे बुलाता कृषक अधीर,

ऐ विप्लव के वीर !

चूस लिया है उसका सार,

हाड मात्र ही है आधार,

ऐ जीवन के पारावार !

5) यह खुला वीरान संसृति का घना हो सिमट आता है

और मैं एकान्त होता हूँ

समर्पित

सब जादू है -

मगर क्या यह समर्पण कुछ नहीं है ?

अथवा

6) यह अंकुर : फोड धरा को,

रवि को ताकता निर्भय;

यह प्रकृत, स्वयंभू, ब्रह्म, अयुतः

इसको भी शक्ति दे दो ।

7) आठ पहर चौंसठ घड़ी स्वामी का ही ध्यान,  
छूट गया पीछे स्वयं उससे आत्मज्ञान ।

अथवा

8) प्रिय ने सहज गुणों से, दीक्षा दी थी मुझे प्रणय, जो तेरी,  
आज प्रतीक्षा-द्वारा, लेते है वे यहाँ परीक्षा मेरी ?

III. किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए ।

(4x4=16)

1) तोडती पत्थर में अभिव्यक्त प्रगतिवादी चेतना ।

2) उड-चल हारिल का मुख्य संदेश ।

3) कामायनी में अभिव्यक्त समरसता ।

4) साकेत का नामकरण का आधार ।

5) कुरुक्षेत्र का कथ्य ।

6) मुक्तिबोध के काव्य में समाज बोध ।